Prof. Raj Kumar Prasad
Dept. of Maithili,
J.K. College, Biraul

कृष्णजन्मक कथावस्तु / विषयवस्तु

Maithili (Hons) - I
Paper - I

कृष्णजन्मक विषयवस्तु कें प्रसिद्ध अछि। जखन पृथ्वी कंस आदि दैत्य समूहक अत्याचार सँ व्याकुल भऽ गेलीह पृथ्वीक हृदय वेदना कृष्ण जन्मक प्रयोजन भेल। विष्णु पृथ्वी कें धैर्य रखबाक लेल कहैत छथि आ भगवान विष्णु स्वयं वसुदेवक बालकक रूपमे जन्म लैत छथि। नारद ई कथा तुरत जा कऽ कंस कें कहि दैत छथि। तखन कंस वसुदेव आ देवकी कें कारागारमे बन्द कऽ देलनि। तखन आठम पुत्रक रूपमे कृष्णक जन्म भेल। जन्म होइतहि वसुदेव राता-राती कृष्ण कें नन्दक गोकुल छ अबैत छथि। नारद पुनः आबि कंस कें सभटा कथा कहि दैत छथिन।

ओम्हर नन्द यशोदा कृष्ण जन्मोत्सव मनबैत छथि। कृष्ण अपन नाना प्रकारक बाल-लीला देखबैत छथि। एहि क्रममे पुतना कें मारलनि, शकट भंग कयलनि, यमलार्जुन उद्धार कयलनि। आब जे सात वर्षक भेलाह नन्द हिनका गाय चरेबाक भार देलथिन। गाय चरयबाक क्रममे कतेको लीला कयलनि - कालियदमन, प्रलम्बक संहार, गोवर्धन लीला। ई लीला सभ होइत, कृष्णक देवत्व लोक बुझय लगलनि। नारद फेर कंसक भीतर गेलाह आ कहलथिन जे ई कृष्ण अवश्य देवता छथि

अक्रूर (कंसक काका) कंसक आज्ञा सँ. कृष्ण कें
कंसक वध करबाक हेतु प्रार्थना करैत छलथिन। कृष्ण
तखन कंसक ओतए गेलाह। कंस मल्लयुद्धक आयोजन
कयने छल। ताही बीच कुवलयापीड़ नामक हाथी
कें रिङ्ग पर छोड़ि देलनि जकरा मारैत ई एक
अखाड़ा पर पहुँचलाह। जकरा सँ मल्लयुद्ध भेल से
ओ मारल गेल। कंस कें सेहो कृष्ण मचान पर सँ
खसा कए पटकि-पटकि कें मारि देलनि। कंसक वध
भेला सँ पृथ्वी पर उपद्रव शान्त भेल एही भाँति स्थापनाक
हेतु कृष्ण कें अभिसारहन्त, दुष्ट दमनकर्ता, धर्म
संस्थापक रूपमे चित्रित कएने छथि। दशम अध्याय
धरि ई कथा श्रीमद्भागवतक दशम स्कन्धक आधार
पर लिखल गेल अछि। एकादश अध्याय सँ
अन्तधरि हरिवंशक विष्णुपर्वक आधार पर लिखल
गेल अछि। प्रतीक रूपमे पुराण सँ कथा लए
मिथिलाक सांस्कृतिक सन्दर्भमे ढारि एकरा विशिष्ट
कए रोचक ओ स्वाभाविक वर्णनामे मनकाख
दिखरन्त छलाह।